दैनिक जागरण वाराणसी, 28 मार्च 2015

आपदा प्रबंधन रिपोर्ट से बनेगी योजना

- महापौर से मुलाकात कर जापानी दल ने सौंपी रिपोर्ट
- दल ने घाटों संग करसड़ा प्लांट का लिया जायजा

गंगा घाटों का अवलोकन करते क्योटो से आई टीम के सदस्य।

वाराणसी : क्योटो-वाराणसी सहभागिता कार्यक्रम के तहत बीएचयू के साथ शैक्षणिक समझौते से पूर्व शुक्रवार की सुबह जापानी दल ने नगर निगम कार्यालय में महापौर रामगोपाल से मुलाकात की। इस दौरान दल ने आपदा प्रबंधन की रिपोर्ट उन्हें सौंपी जिसे बीते माह काशी प्रवास के दौरान क्योटो विवि के शोध छात्र रानित चटर्जी ने प्रो. राजीव शाह की निगरानी में तैयार किया गया था।

रिपोर्ट को देख महापौर ने दल को भरोसा दिया कि शहर के लिए आगे जो भी योजना बनेगी, उसमें आपदा प्रबंधन की रिपोर्ट को केंद्र में रखकर योजना बनाई जाएगी ताकि आपदा से बचाव व पर्यावरण संरक्षण हो सके। जापानी दल में प्रो. सिजियो फुजी, डीन ग्रेजुएट स्कूल ऑफ ग्लोबल इन्वायर्नमेंटल स्टडीज, क्योटो विवि, प्रो. राजीब शॉ, डा. कोईची सिवाकु आदि शामिल थे। महापौर ने बताया कि दल ने गंगा घाटों का निरीक्षण किया हालांकि भ्रमण को लेकर जापानी दल ने किसी प्रकार का अनुभव साझा नहीं किया लेकिन बताते हैं कि दशाश्वमेध घाट से स्टीमर में सवार होकर दल ने अस्सी घाट तक भ्रमण किया। इस दौरान ऐतिहासिक धरोहर के तौर पर भव्यता समेटे घाटों ने उनको बेहद आकर्षित किया। हालांकि घाटों की सीढ़ियों आदि पर पेंटिंग करना उनको अच्छा नहीं लगा।

कूड़ा प्रसंस्करण प्लांट का निरीक्षण

वाराणसी : जापानी दल ने करसड़ा स्थित ठोस कचरा प्रसंस्करण प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान उसके संचालन की संभावनाओं पर मंथन करने का भरोसा दिया। जानकारी दी कि जापान में बड़े कूड़ा प्रसंस्करण प्लांट की बजाए छोटे-छोटे प्लांट लगाए जाते हैं। हृदय योजना की निदेशक शोभा ठाकुर ने नगर निगम के अधिकारियों को स्पष्ट किया कि बिना कूड़ा के उचित प्रबंधन के शहर के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। नगर आयुक्त उमाकांत त्रिपाठी को संबोधित करते हुए कहा कि इस मसले को राज्य सरकार के अधिकारियों से मिलकर सुलझाने की कोशिश करें।

नया Life

बीएचयू व क्योटो विवि में शैक्षणिक समझौता

- अंतरिम अध्ययन रिपोर्ट जारी, पहली से शुरू होगी अध्ययन की कवायद
- दोहराई प्रतिबद्धता : हर हाल में लौटाएंगे काशी का पुराना वैभव

बीएचयू में सहमति पत्र पर दस्तखत करने के बाद एक दूसरे को सौंपते रजिस्ट्रार एवं क्योटो से आए प्रतिनिधि।

जासं, वाराणसी : जापानी शहर क्योटो की तर्ज पर काशी की दशा सुधरेगी, जरूर सुधरेगी। प्राचीन और जीवंत नगरी का पुराना वैभव वापस लौटेगा। थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन इस शहर के आभामंडल में 'आनंदकानन' का भी दर्शन होगा। यहां की स्थिति में सुधार के लिए 'नागरिक मंच' अहम भूमिका होगी। यह मंच इस शहर की ऐतिहासिकता, धार्मिकता, आर्थिक, सामाजिक और पौराणिकता को नवीन आधार देगा। कुछ ऐसे ही इरादे लिए पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान (बीएचयू) और क्योटो यूनिवर्सिटीज ग्रेजुएट स्कूल ऑफ ग्लोबल इनवायर्नमेंटल स्टडीज के बीच शुक्रवार को शैक्षणिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

अध्ययन रिपोर्ट जारी : बीएचयू के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित समारोह में विवि के कुलसचिव डा. केपी उपाध्याय व क्योटो विवि के प्रो. सिजियो फुजी ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान शहर के दशाश्वमेध, आदमपुर, कोतवाली, भेलूपुर व ट्रांस वरुणा की अंतरिम अध्ययन रिपोर्ट भी जारी की गई। यह रिपोर्ट तैयार की है रानित चटर्जी व प्रमित वर्मा ने। शेष-17

बीएचयू व क्योटो ..

गवर्नेंस पर नजर : इस दौरान क्योटो विवि के प्रो. राजीब शॉ व बीएचयू के प्रो. एएस रघुवंशी ने समझौते के मूल बिंदुओं से भी मीडियाकर्मियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि क्योटो विवि ने अध्ययन के लिए छात्रा नेहा साहू को नामित किया है। शोध की गतिविधि पहली अप्रैल से शुरू हो जाएगी। समझौते के तहत क्योटो व बीएचयू से शिक्षक, विशेषज्ञ व विद्यार्थी शोध के लिए एक से दूसरी जगह आ-जा सकेंगे। इस निमित्त संयुक्त रूप से दोनों ही शिक्षण संस्थाएं डुएल डिग्री पाठ्यक्रम भी संचालित करेंगी। इस मौके पर रेक्टर प्रो. कमलशील, महापौर रामगोपाल मोहले व जापानी दल के अन्य सदस्य मौजूद थे।